

Time : Three Hours]

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है।

खण्ड 'अ'

1x10

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
 - (i) महर्षि पतंजली के अनुसार योग की परिभाषा लिखिए।
 - (ii) योग दर्शन के अनुसार पुरुष को स्पष्ट कीजिए।
 - (iii) सांख्य दर्शन के प्रणेता कौन हैं ?
 - (iv) वेदान्त दर्शन के ग्रंथ का नाम लिखिए।
 - (v) सम्यक् व्यायाम क्या है ?
 - (vi) शम एवं दम क्या हैं ?
 - (vii) चित्त में कौन से गुण की अधिकता होती है ?
 - (viii) आस्तिक दर्शन को समझाइए।
 - (ix) मनोशारीरिक रोगों के क्या कारण हैं ?
 - (x) क्षिप्त भूमि में कौन सा गुण अधिक क्रियाशील होता है।

4x5

खण्ड 'ब'

2. पातंजल योग सूत्र की विषय वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति एवं पुरुष को समझाइए।

3. जैन दर्शन के अनुसार पंच महाव्रत का वर्णन कीजिए।

अथवा

श्री अरविंद जी के समग्र योग को समझाइए।

4. चित्त वृत्ति के प्रकार का वर्णन कीजिए।

अथवा

चित्त के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

5. कुण्डलिनी शक्ति को समझाते हुए कुण्डलिनी जागरण के उपाय का वर्णन कीजिए।

अथवा

हठयोग के अर्थ एवं परिभाषा बताते हुए विभिन्न हठयोगिक ग्रंथों के नाम लिखिए।

6. मनोशारीरिक रोगों के अर्थ एवं विभिन्न प्रकार का वर्णन कीजिए।

अथवा

योग के द्वारा कैसे मनोशारीरिक रोगों का प्रबंधन किया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

2x10

खण्ड 'ब'

7. वेदान्त दर्शन के अनुसार ब्रह्म, आत्मा एवं माया को समझाइए।

अथवा

आर्य आष्टांगिक मार्ग की विवेचना कीजिए।

8. ज्ञान योग के अंतरंग एवं बहिरंग साधन को समझाइए।

अथवा

चित्त भूमियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।